A.B.M. college, Golmuri, JSR

Inter 2nd year

Hindi core 'A'

ch=07, Set=2, काव्य - 2005

पाठ का नाम => कैमरे में बंद अपाहिज

कवि का नाम => रघुवीर सहाय

Q. दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

Q.1 कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- विचार कीजिए।

Ans प्रस्तुत कविता "कैमरे में बंद अपाहिज" करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। कवि कहता है कि दूरदर्शन वाले अपाहिज का मानसिक शोषण करते हैं। वे उसकी फूली हुई आँखों की तस्वीर को बड़ा करके परदे पर दिखाएँगे। वे उसके होंठों पर होने वाली बेचैनी और कुछ न बोल पाने की तड़प को भी दिखाएँगे। ऐसा करके वे दर्शकों को उसकी पीड़ा बताने की कोशिश करेंगे। कार्यक्रम संचालक को अपाहिज से किसी प्रकार की कोई सहानुभूति नहीं है। वह केवल अपने कार्यक्रम की सफलता की चिन्ता करता है। वे कोशिश करते हैं कि वह रोने लगे। पीड़ा की सही अभिव्यक्ति तभी होगी जब दर्शक भी उस पीड़ा का अनुभव करें। प्रस्तुत कविता कार्यक्रम संचालक महोदय की स्वार्थी मनोवृत्ति को दर्शा कर क्रूरता की कहानी बयां करती है।

Q.2 हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे - पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

Ans "हम एक समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे" पंक्ति के द्वारा कवि ने यह व्यंग्य किया है मीडिया कर्मी या मीडिया - संचालक वाले लोग जानते हैं कि समाज में कमजोर व अशक्त लोगों के प्रति करुणा का भाव होता है। लोग दूसरे के दुख के बारे में जानना चाहते हैं। मीडिया कर्मी इसी भावना का फ़ायदा उठाना चाहते हैं तथा अपने नाम के लिए ऐसे कार्यक्रम बनाते हैं। उससे किसी की शारीरिक विकलांगता की चिन्ता न करते हुए कार्यक्रम संचालक की स्वार्थी मनोवृत्ति को दिखलाता है।

Q.3 सामाजिक उद्देश्य से युक्त ऐसे कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगेगा? अपने विचार संक्षेप में लिखें।

Ans सामाजिक उद्देश्य से युक्त ऐसे कार्यक्रम जिसका उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्व को समाज के सामने लाकर लोगों द्वारा उसका सम्मान कराया जाता है वह देखकर हमें अच्छा लगेगा। परन्तु यदि

Scanned with CamScanner

इसके विपरीत किसी कार्यक्रम का सामाजिक उद्देश्य अपने स्वार्थ की सिद्धि करके, दूसरे की भावनाओं के साथ ~~खिलवाड़~~ खिलवाड़ करके, उस व्यक्ति को उपहास का पात्र बनाता है तो वह कार्यक्रम हमें बुरा लगेगा। यदि कोई ऐसा कार्यक्रम करता है तो वह कार्यक्रम न करे तो ज्यादा अच्छा होगा।

Q. 4 पर्दे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है।

Ans इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति व्यावसायिक नज़रिया प्रस्तुत किया है। पर्दे पर जो कार्यक्रम दिखाया जाता है, उसकी कीमत समय के अनुसार होती है। दूरदर्शन व कार्यक्रम-संचालक को जनता के हित या पीड़ा से कोई मतलब नहीं होता। वे अपने कार्यक्रम को कम-से-कम समय में लोकप्रिय करना चाहते हैं। अपंग की पीड़ा को कम करने की बजाय अधिक करके दिखाया जाता है ताकि करुणा को 'सनसनी' में बदला जा सके। संचालकों की सहानुभूति भी बनावटी होती है।

Scanned with CamScanner